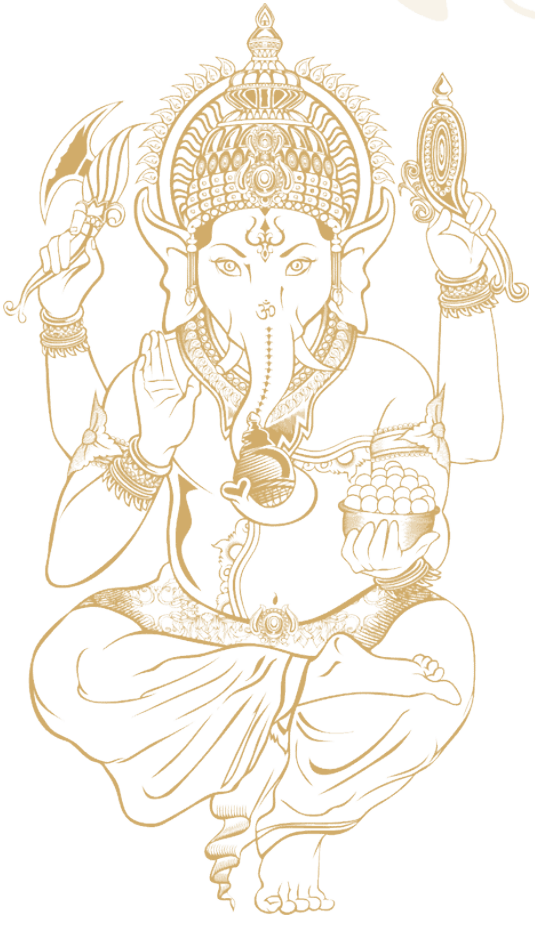

Jashanveer singh

Simarjeet kaur

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121121701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121121701 Date: 31/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/06/1991	जन्म तिथि	08/01/1997
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:20:00	जन्म समय	11:54:00 घंटे
घटी 09:50:48	जन्म समय(घटी)	11:03:55 घटी
India	देश	India
Kapurthala	स्थान	Faridkot
31:20:00 उत्तर	अक्षांश	30:42:00 उत्तर
75:26:00 पूर्व	रेखांश	74:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:16	स्थानिक संस्कार	-00:30:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:40	सूर्योदय	07:29:36
19:30:52	सूर्यास्त	17:45:48
23:44:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:57

कर्क	लग्न	मीन
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मीन	राशि	धनु
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
रेवती	नक्षत्र	मूल
बुध	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	4
सौभाग्य	योग	ध्रुव
बव	करण	शकुनि
चा-चाणक्य	जन्म नामाक्षर	भी-भीनी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	श्वान
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 10मा 8दि		14:23:00	कर्क	लग्न	मीन	18:47:26	केतु 1वर्ष 0मा 3दि	
शुक्र		23:08:25	वृष	सूर्य	धनु	24:12:01	चन्द्र	
16/04/2006		23:50:19	मीन	चंद्र	धनु	11:24:40	12/01/2024	
16/04/2026		13:42:09	कर्क	मंगल	कन्या	07:40:08	12/01/2034	
शुक्र	15/08/2009	12:21:49	वृष	बुध व	धनु	10:47:57	चन्द्र	11/11/2024
सूर्य	16/08/2010	16:25:30	कर्क	गुरु	मक	03:02:37	मंगल	13/06/2025
चन्द्र	15/04/2012	08:22:11	कर्क	शुक्र	धनु	03:43:31	राहु	12/12/2026
मंगल	16/06/2013	12:42:54	मक व	शनि	मीन	07:55:34	गुरु	12/04/2028
राहु	15/06/2016	25:38:07	धनु व	राहु व	कन्या	08:00:17	शनि	12/11/2029
गुरु	14/02/2019	25:38:07	मिथु व	केतु व	मीन	08:00:17	बुध	13/04/2031
शनि	16/04/2022	19:05:44	धनु व	हर्ष	मक	09:51:44	केतु	12/11/2031
बुध	14/02/2025	22:24:04	धनु व	नेप	मक	03:16:59	शुक्र	13/07/2033
केतु	16/04/2026	24:28:44	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	10:48:20	सूर्य	12/01/2034

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:30 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:57

लग्न-चलित

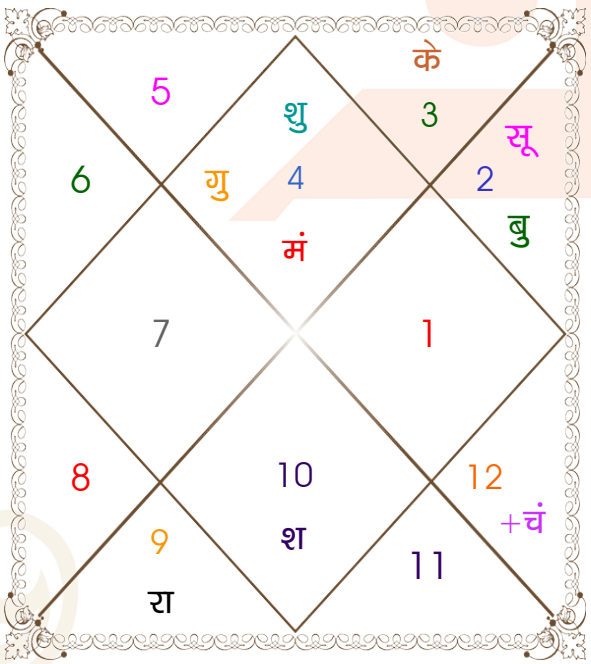

लग्न-चलित

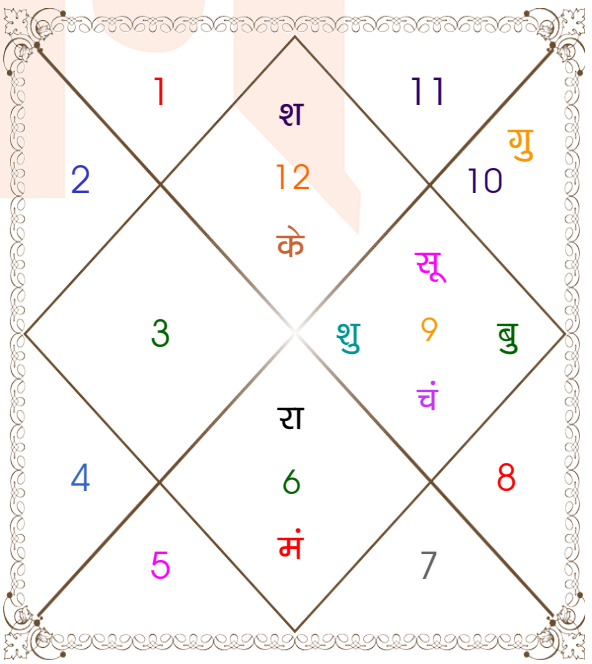

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : **28 / 36**

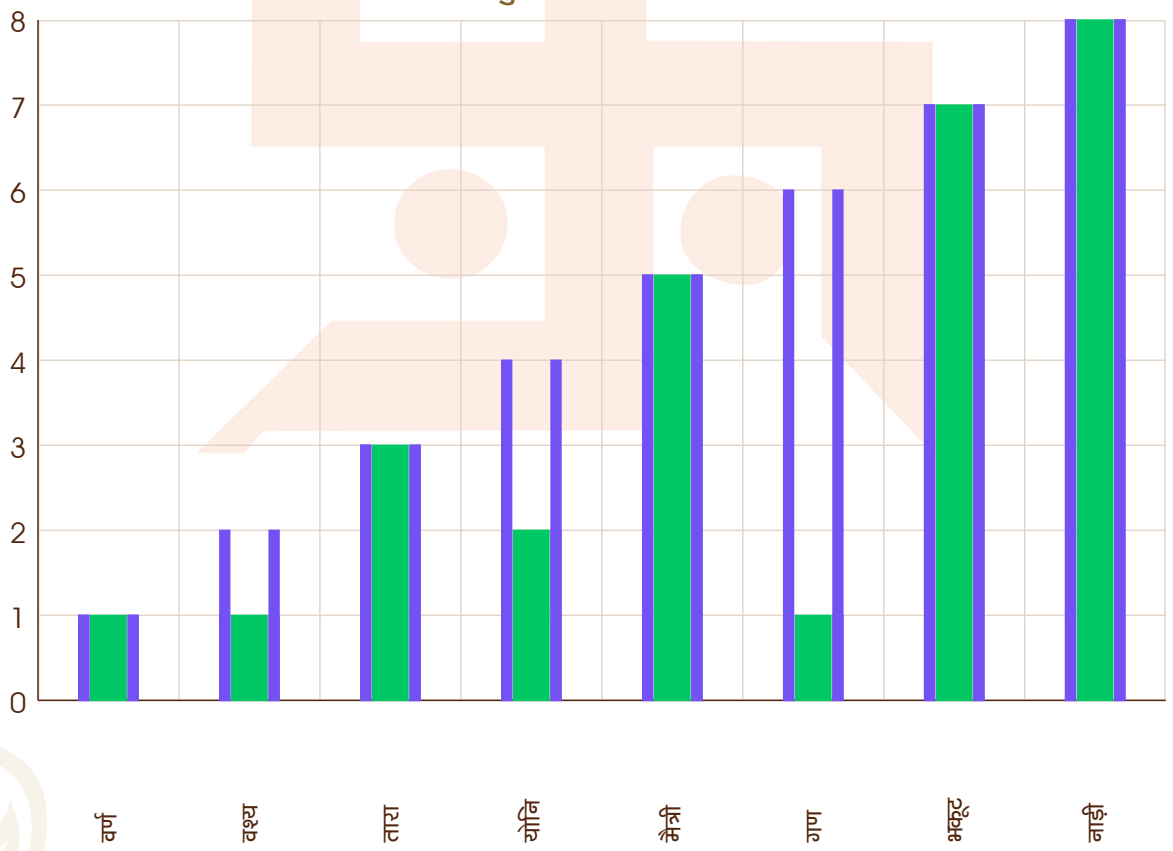

अष्टकूट मिलान

श्रींदअममत`पदही का वर्ग सिंह है तथा Simarjeet kaur का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रींदअममत`पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात यदि बली गुरु और शुक्र स्वराशि या उच्च होकर लग्न या सप्तम भाव में हों तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि गुरु और शुक्र श्रींदअममत`पदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ए;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल श्रींदअममत`पदही कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु श्रींदअममत`पदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Simarjeet kaur मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Simarjeet kaur कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Simarjeet kaur कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Simarjeet kaur कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि श्रींदअममत`पदही कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु श्रींदअममत`पदही कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

श्रींदअममत`पदही तथा Simarjeet kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

श्रींदअममत`पदही का वर्ण ब्राह्मण तथा Simarjeet kaur का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Simarjeet kaur में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Simarjeet kaur आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Simarjeet kaur सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

श्रींदअममत`पदही का वश्य जलचर है एवं Simarjeet kaur का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Simarjeet kaur अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि श्रींदअममत`पदही उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

श्रींदअममत`पदही की तारा अतिमित्र तथा Simarjeet kaur की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। श्रींदअममत`पदही हमेशा Simarjeet kaur के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

श्रींदअममत`पदही की योनि गज है तथा Simarjeet kaur की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि

दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में श्रींदअममत`पदही एवं Simarjeet kaur दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि श्रींदअममत`पदही एवं Simarjeet kaur दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

श्रींदअममत`पदही का गण देव तथा Simarjeet kaur का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Simarjeet kaur निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Simarjeet kaur की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

श्रींदअममत`पदही से Simarjeet kaur की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Simarjeet kaur से श्रींदअममत`पदही की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण श्रींदअममत`पदही एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद

करती रहेंगी। Simarjeet kaur को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Simarjeet kaur हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

श्रींदअममत`पदही की नाड़ी अन्त्य है तथा Simarjeet kaur की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। श्रींदअममत`पदही की अन्त्य नाड़ी तथा Simarjeet kaur की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

श्रींदअममत`पदही की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Simarjeet kaur की राशि अग्नि तत्व युक्त चन्द्र है। अतः इसके प्रभाव से यद्यपि श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur के मध्य स्वाभाविक प्रवृतियों में किंचित असमानता होगी परन्तु सामंजस्य स्थापित करने में ये समर्थ होंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान सामान्य रहेगा।

श्रींदअममत`पदही एवं Simarjeet kaur की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति आत्मिक लगाव रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी। वे एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। अतः श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur का दाम्पत्य जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है अतः इसके प्रभाव से श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur एक दूसरे के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा सांसारिक सुखों को अर्जित करके सुख पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। वे एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा त्याग का भाव भी रहेगा जिससे आत्मिक संबंधों में गहनता आएगी तथा दाम्पत्य जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

श्रींदअममत`पदही का वश्य जलचर तथा Simarjeet kaur का वश्य मानव है। जलचर एवं मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी अलग अलग होंगी। साथ ही काम संबधों में भी यदा कदा असन्तुष्टि तथा अशांति का भाव भी उत्पन्न होगा लेकिन परस्पर सामंजस्य से अनुकूलता रहेगी।

श्रींदअममत`पदही का वर्ण ब्राह्मण तथा Simarjeet kaur का वर्ण क्षत्रिय है। अतः श्रींदअममत`पदही की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में रहेगी तथा Simarjeet kaur पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगी। अतः परस्पर सन्तुष्टि का भाव रहेगा।

धन

श्रींदअममत`पदही का जन्म अतिमित्र तथा Simarjeet kaur का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Simarjeet kaur एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Simarjeet kaur के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार

श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

श्रींदअममत`पदही अन्त्य तथा Simarjeet kaur आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः विभिन्न नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे जिससे गंभीर शारीरिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी परन्तु मंगल का श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से Simarjeet kaur गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही श्रींदअममत`पदही को हृदय रोग संबंधी परेशानियां होगी एवं संभोग शक्ति में शिथिलता की अनुभूति करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। अतः इन दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur दोनों को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Simarjeet kaur के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Simarjeet kaur को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Simarjeet kaur को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार श्रींदअममत`पदही और Simarjeet kaur का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Simarjeet kaur के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Simarjeet kaur यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Simarjeet kaur को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Simarjeet kaur को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

श्रींदअममत`पदही  के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि श्रींदअममत`पदही तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से श्रींदअममत`पदही के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।